

**मुजरब वि.** (अर.) 1. जो अनुभव करने पर ठीक प्रतीत हो 2. आजमाया हुआ या जिसका परीक्षण-निरीक्षण किया जा चुका हो।

**मुजल्लर वि.** (अर.) जिस पुस्तक या ग्रंथ पर जिल्द बंधी या चढ़ी हुई हो, जिल्ददार।

**मुजव्वज़ वि.** (अर.) 1. प्रस्तावित किया हुआ या तजबीज किया हुआ 2. निर्णीत।

**मुजव्विज़ पुं.** (अर.) प्रस्ताव देने वाला।

**मुजस्सिम वि.** (अर.) 1. शरीरधारी या साकार 2. जो जिस्म या शरीर रूप में हो अव्य. 1. प्रत्यक्ष रूप से या स्पष्ट रूप से 2. सशरीर।

**मुजस्सिमा पुं.** (अर.) प्रतिमा या मूर्ति।

**मुजहिर वि.** (अर.) जाहिर, प्रकट या स्पष्ट करने वाला पुं. 1. गवाह, साक्षी 2. गुप्तचर या जासूस।

**मुजाफर वि.** (अर.) जिसमें जाफरान या केसर मिला हुआ हो, केसरिया पुं. एक प्रकार का मीठा पुलाव जिसमें केसर अधिक मात्रा में मिला रहता है।

**मुजायका पुं.** (अर.) हानि, नुकसान।

**मुजारा वि.** (अर.) बराबर, समान, तुल्य पुं. किसान, कृषक, खेतिहर।

**मुजारिया वि.** (अर.) जो जारी या लागू किया गया हो।

**मुजावर पुं.** (अर.) 1. पड़ोसी 2. वह फकीर जो दरगाह की चढ़त प्रयोग में लाता हो।

**मुजावरी स्त्री.** (अर.) मुजावर का कार्य, पद या पेशा।

**मुजाहिद वि.** (अर.) 1. पराक्रमी 2. अधर्मियों से युद्ध करने वाला।

**मुज़ाहिम वि.** (अर.) आपत्ति करने वाला, रोक-टोक या हस्तक्षेप करने वाला।

**मुज़ाहियत स्त्री.** (अर.) 1. रोकने या बाधा देने की क्रिया या भाव, बाधा 2. आपत्ति।

**मुज़िर वि.** (अर.) नुकसानदायक।

**मुझ सर्व.** (तद्.) 'मैं' का वह परिवर्तित रूप जो कर्ता और संबंध कारक विभक्तियों के अतिरिक्त अन्य कारक-विभक्तियाँ लगाने पर प्राप्त है जैसे- मुझ, मुझको, मुझसे, मुझपर आदि।

**मुझे सर्व.** (तद्.) आकार में छोटा या साधारण और सौंदर्य युक्त।

**मुटका पुं.** (देश.) एक विशेष प्रकार का रेशमी कपड़ा वि. लाक्ष. मोटा।

**मुटकी स्त्री.** (देश.) कुलथी नामक अन्न वि. स्त्री. लाक्ष. मोटी स्त्री।

**मुट-मरदी स्त्री.** (देश.) वह स्थिति जिसमें मनुष्य अच्छी दशा में पहुँचकर घमंडी हो जाता है और दूसरों की उपेक्षा करने लगता है।

**मुटमुरी पुं.** (देश.) भाद्रपद मास में होने वाला धान।

**मुटरी स्त्री.** (देश.) एक विशेष प्रकार की चिड़िया जिसका सिर, गरदन और छाती काली होती है तथा बाकी शरीर कथई रंग का होता है यह कौए से अधिक चालाक होती है स्त्री. छोटी गठरी।

**मुटाई स्त्री.** (तद्.) दे. मोटाई।

**मुटाना अ.क्रि.** (तद्.) 1. शारीरिक गठन में वृद्धि होना, मोटापा आना 2. स्वयं में निहित गुणों के कारण अभिमानी होना स.क्रि. किसी को मोटा कहना।

**मुटापा पुं.** (तद्.) 1. शरीर के मोटा होने की अवस्था या भाव 2. किसी प्रकार की समृद्धि के कारण होने वाला घमंड।

**मुटार स्त्री.** (तद्.) 1. डुबकी 2. शरीर को गठरी की तरह बनाने की एक मुद्रा जो जल में कूदने के लिए बनाई जाती है।

**मुटासा वि.** (तद्.) जिस व्यक्ति के पास थोड़ा धन आते ही उसमें घमंड भर जाए।

**मुटिया पुं.** (तद्.) बोझ या गट्ठर ढोने वाला मजदूर।